MGP

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य

वर्ष 2022–2023 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्षिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पष्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विषेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवष्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**किसके पास जमा करें**
जुलाई 2022 सत्र के लिए	31 मार्च 2023	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2023 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2023	

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देषों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान देंः
   यह सुनिष्चित कर लें कि आपका उत्तरः
   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और।
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ,

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका युग (एम जी पी–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राष्ट्रवाद और अन्तर्राष्ट्रीयवाद पर गाँधी के क्या विचार हैं? किस प्रकार से वे, इन दोनों में सामंजस्य बनाते है?

2. अध्यात्मवाद पर गांधीवादी विचार की व्याख्या कीजिए। किस प्रकार से यह, भौतिकवादी जीवन को निर्मित करता है?

3. लंदन में कानून के छात्र के रूप में गांधी के विविध अनुभवों का वर्णन कीजिए।

4. अहिंसा की अवधारणा का परीक्षण कीजिए। क्या आपको लगता है कि 2011 का संशोधन, गांधीवादी विचारों की अहिंसा की श्रेणी में आता है?

5. 'चंपारण भारत में गांधी के सत्याग्रह की शुरुआत थी'। इसकी विस्तार से चर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) साम्प्रदायिक सद्भाव
   ख) डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक और राजनीतिक विचार

7. क) गाँधी द्वारा क्रांतिकारियों की आलोचना
   ख) सविनय अवज्ञा आन्दोलन के शुरूआत का पता लगाइये।

8. क) खादी और इसकी प्रासांगिकता
   ख) रचनात्मक कार्यक्रम क्या था?

9. क) गोलमेज़ सम्मेलन (1930–1932)
   ख) मुस्लिम लीग द्वारा विभाजन की मांग

10. क) भगत सिंह और गांधी
    ख) तिलक का योगदान

पाठ्यक्रमः गाँधी का दर्शन (एम जी पी–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002 / ए एस एस टी / टी एम ए / 2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी की अहिंसा की अवधारणा पर, भारतीय धर्मों के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

2. यहूदी धर्म की प्रमुख अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।

3. गाँधी के दर्शन पर, पश्विमी विचारकों के प्रभावों की जांच कीजिए।

4. गांधी के अनाशक्ति योग का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

5. सभ्यता की प्रगति में, जाति व्यवस्था किस प्रकार से बाधक है? व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) आध्यात्मिक शक्ति के स्रोत के रूप में गांधी के लिए 'गीता' कितनी महत्वपूर्ण थी?
   ख) सत्य और ईश्वर : गांधीवादी विचार

7. क) आधुनिक सभ्यता के विरूद्ध गाँधी के तर्क
   ख) सर्वोदय का पारिस्थतकीय आयाम

8. क) हिंदू धर्म पर गाँधी के विचार
   ख) गाँधी और अद्वैत दृष्टिकोण

9. क) बारदोली सत्याग्रह
   ख) रस्किन की 'अनटू दिस लास्ट'

10. क) स्वराज, स्वअनुशासन के रूप में
    ख) स्वराज के आर्थिक आधार

पाठ्यक्रमः गाँधी का सामाजिक चिंतन (एम जी पी–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारतीय समाज में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण कीजिए।

2. भारत में सामाजिक परिवर्तनों पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

3. ब्रिटिश भारत में साम्प्रदायिक संघर्षों पर गाँधी के विश्लेषण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. श्रम पर गाँधी के विचारों की, 21वीं सदी में प्रासांगिकता का परीक्षण कीजिए।

5. दलित वर्गो पर गाँधी के विचारों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) पूर्ण सत्य और सापेक्ष सत्य
   ख) हिन्दू–मुस्लिम एकता पर गाँधीवादी दृष्टिकोण

7. क) शिक्षा पर गांधी के विचार
   ख) अहिंसा की गाँधीवादी अवधारणा

8. क) गाँधी के आर्थिक विचार
   ख) आधुनिक सभ्यता पर गाँधी के विचार

9. क) बौद्ध धर्म पर गाँधी के विचार
   ख) युवाओं के लिए गाँधी के विचार

10. क) धर्म की अवधारणा पर गाँधी के विचार
    ख) बाल और महिला श्रम पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी का राजनैतिक चिंतन (एम जी पी–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004 / ए एस एस टी / टी एम ए / 2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. संरचनात्मक हिंसा पर गांधीवादी दृष्टिकोण क्या है? समाज में संरचनात्मक हिंसा का क्या प्रभाव है? व्याख्या कीजिए।

2. विचारधारा क्या है? समाजवाद और साम्यवाद पर गांधी की आलोचना की व्याख्या कीजिए।

3. अधिनायकवादी राज्य पर गांधी का क्या विचार था और उन्होंने फासीवाद का विरोध क्यों किया? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के बीच अंतर कीजिए। गांधी का, इसके प्रति क्या दृष्टिकोण था? समझाइये।

5. शक्ति की अवधारणा का वर्णन कीजिए। गांधी ने आध्यात्मिक राजनीतिक जीवन का सुझाव क्यों दिया? विस्तारपूर्वक समझाइये।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) ब्रिटिश संस्थाओं की, गांधी द्वारा प्रशंसा करने के क्या कारण हैं?
   ख) राजनीतिक स्वतंत्रता के आर्थिक आधार पर गांधी के विचार

7. क) नागरिकता पर गांधी के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   ख) गांधी पश्चिमी औद्योगीकरण के बजाय ग्रामस्वराज के पक्षधर क्यों रहे हैं?

8. क) राष्ट्रवाद और भारत पर गांधी के विचारों का वर्णन कीजिए।
   ख) महिलाओं के अधिकारों पर गांधीवादी विचार

9. क) सत्याग्रह और स्वराज का वर्णन कीजिए।
   ख) साध्य और साधनों के महत्व पर गांधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

10. क) जाति और नस्लीय समानता के प्रति गांधी का दृष्टिकोण
    ख) अराजकतावादी समाज में अधिकार

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम जी पी–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005 / ए एस एस टी / टी एम ए / 2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति को परिभाषित करने के, विभिन्न तरीके क्या हैं? विभिन्न परिभाषाओं के गुण–दोषों की व्याख्या कीजिए।

2. संघर्ष के सामान्य स्त्रोतों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

3. संघर्ष समाधान की दमनकारी पद्धतियों का विस्तारपूर्वक परीक्षण कीजिए।

4. संघर्ष से आप क्या समझते हैं? इसके अवधारणात्मक स्पष्टीकरणों का विश्लेषण कीजिए।

5. धर्म और शांति के बीच संबंधों का अपने शब्दों में विश्लेषण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) बातचीत (सौदेबाजी)
   ख) मध्यस्थता

7. क) आतंकवाद और नागरिक हत्यायें
   ख) गांधी और शांति अध्ययन

8. क) सत्याग्रह
   ख) भारत में न्याय के साधन / उपाय

9. क) शांति और आक्रामकता
   ख) शांति की संस्कृति

10. क) भारत में सकारात्मक कार्यवाही की नीति
    ख) संपूर्ण राष्ट्र में शांति आंदोलन

पाठ्यक्रमः गाँधी के आर्थिक विचार (एम जी पी ई–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. आधुनिक विकास और गांधीवादी विचारों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. गांधी ने ऐसा क्यों सोचा कि अंग्रेजों ने भारतीय अभिजात वर्ग की मानसिकता को उपनिवेशित बना दिया? व्याख्या कीजिए।

3. अर्थशास्त्र के रोटी के लिए श्रम (ब्रेड लेबर) के सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए। यह समाज में, असमानता और शोषण की समस्याओं को, किस प्रकार से हल करता है?

4. "विश्व को खुशहाल बनाने के लिए, गांधी की न्यासिता (ट्रस्टीशिप) की अवधारणा आवश्यक है" चर्चा कीजिए।

5. विकेंद्रीकरण की आवश्यकता का परीक्षण कीजिए और विकेंद्रीकरण के लाभों को प्रकट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) औद्योगीकीकरण पर गाँधीवादी विचार
   ख) रोटी के लिए श्रम (ब्रेड लेबर) पर रस्किन और टॉलस्टाय

7. क) गाँधी पर गोखले का प्रभाव
   ख) सतत् विकास

8. क) खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता
   ख) कुटीर उद्योगों का महत्व

9. क) मशीनीकरण का बुरा प्रभाव
   ख) ग्रामीण आद्यौगिकीकरण

10. क) कताई –चक्र (हथकरघा और बुनाई)
    ख) स्वदेशी, स्वधर्म और स्व–भाव

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007 / ए एस एस टी / टी एम ए / 2022–2023
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में शांति आंदोलनों में, नेतृत्व की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

2. सैद्धांतिक और सामरिक अहिंसक आंदोलनों के बीच दृष्टान्त सहित अंतर कीजिए।

3. गांधी ने पारिस्थितिकी सुरक्षा को किस प्रकार से परिभाषित किया? समझाइये।

4. आचार्य विनोबा भावे द्वारा प्रतिपादित भूदान आंदोलन की चर्चा कीजिए।

5. टिहरी बचाओ आंदोलन और हिमालयी क्षेत्र को बचाने के लिए उसके अहिंसक संघर्ष का परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) जे. पी. आंदोलन
   ख) शराब और अपराध

7. क) रंगभेद प्रणाली को परिभाषित कीजिए।
   ख) पारिस्थितिकी–नारीवादी आंदोलन

8. क) नया किसान आंदोलन
   ख) चिपको आंदोलन

9. क) नर्मदा बचाओ आंदोलन
   ख) प्लेचीमाडा (Plachimada) अभियान

10. क) नागरिक अधिकारों की अवधारणा का अर्थ और महत्व
    ख) भारत की राष्ट्रीय जल संरक्षण नीति, 2002

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008 / ए एस एस टी / टी एम ए / 2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति अध्ययन के लिए, विभिन्न दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए।

2. हथियारों की दौड़ क्या है? यह किस प्रकार से वैश्विक शांति को प्रभावित कर रही है? समझाइये।

3. कानूनी, सामाजिक और औद्योगिक संघर्षों पर गाधीवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

4. गांधी के दृष्टिकोण में लोकतंत्र का आधार क्या है? चर्चा कीजिए।

5. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शांति आंदोलनों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गाधीवादी सिद्धान्तों को संयुक्त राष्ट्र संघ की मान्यता
   ख) विभिन्न प्रकार की अहिंसक कार्यविधियाँ

7. क) शांति के प्रति नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) चिपको आंदोलन

8. क) संघर्ष के कारण
   ख) औद्योगिकीय संघर्ष पर गाँधी के विचार

9. क) विश्व मे नोबेल पुरूस्कार का महत्व
   ख) शांति के प्रमुख उपायों की व्याख्या कीजिए।

10. क) सेवा (SEWA) और समाज में महिलाओं की स्थिति पर इसका प्रभाव
    ख) म्यांमार में संघर्ष समाधान में गांधी की प्रासंगिकता

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम जी पी ई–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत के संदर्भ में वैश्वीकरण के क्या प्रभाव हैं? व्याख्या कीजिए।

2. उदार लोकतंत्र क्या है? इसकी विशेषताओं की पहचान कीजिए।

3. धर्म पर गाँधी के क्या विचार हैं? उनके लिए धर्म का क्या अर्थ हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. समकालीन महिला आंदोलनों के लिए गाँधीवादी विरासत की क्या प्रासंगिकता है? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

5. गांधी ने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से जनता को कैसे शिक्षित किया? स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत और इसकी सांस्कृतिक विविधताएँ
   ख) गाँधी का ग्राम स्वराज और वर्तमान में इसकी प्रासांगिकता

7. क) विज्ञान और प्रौद्यौगिकी पर गाँधी के विचार
   ख) मानवीय कर्तव्य और अधिकारों पर गाँधी के विचार

8. क) गाँधी और मीडिया
   ख) गाँधी का ग्राम विकास का प्रारूप (मॉडल)

9. क) गाँधीवादी युद्ध में महिलाओं की जागरूकता
   ख) अंतर–धार्मिक संवाद

10. क) भारत का गांवों में निवास
    ख) सामाजिक समावेशन का गाँधीवादी तरीका

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन (एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गांधी के लिए, अस्पृश्यता उन्मूलन, एक प्रमुख लक्ष्य क्यों है? अस्पृश्यता को दूर करने के लिए उन्होंने कौन से कदम उठाए? वर्णन कीजिए।

2. संघर्ष परिवर्तन के अहिंसात्मक दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

3. सांस्कृतिक संदर्भ में, संघर्ष प्रबंधन की अवधारणा का परीक्षण कीजिए।

4. दक्षिण अफ्रीका में गांधी के नेतृत्व में चलाए गए सत्याग्रह अभियानों की चर्चा कीजिए।

5. पंजाब में आतंकवाद के मुख्य कारण क्या थे? व्याख्या कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत की भूमिका
   ख) गाँधी की आधुनिक सभ्यता की आलोचना

7. क) चंपारण सत्याग्रह
   ख) गांधी द्वारा प्रतिपादित न्यासिता (ट्रस्टीशिप) का विचार

8. क) संघर्ष प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण
   ख) संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण

9. क) शांति निर्माण के मुख्य लक्षण
   ख) गांधी का स्वराज का विचार

10. क) संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम
    ख) संघर्ष के बाद, श्रीलंका के पुनर्निर्माण और पुनर्वास प्रयासों में गैर –सरकारी संगठनों की भूमिका

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानव सुरक्षा और शांति निर्माण के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिए।

2. मानव सुरक्षा के गांधीवादी दृष्टिकोण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. राज्य प्रयोजित हिंसा से आप क्या समझते हैं? राज्य प्रयोजित हिंसा के सिद्धांत और प्रकार क्या हैं? वर्णन कीजिए।

4. ग्लोबल वार्मिंग के क्या प्रभाव हैं? विकास पर, इसके क्या प्रभाव हैं? व्याख्या कीजिए।

5. भारत में बाल श्रम की समस्या की विवेचना कीजिए। उनके सशक्तिकरण के लिए चल रहे उपायों की चर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मानव सुरक्षा और विकास
   ख) बंधुआ मजदूर को सशक्त बनाना

7. क) लिंग भेदभाव, बाल और प्रवासी श्रम
   ख) जैविक खेती

8. क) संरचनात्मक हिंसा के रूप में गरीबी
   ख) सार्वभौमिक मानव अधिकारों की 1948 की घोषणा

9. क) सशस्त्र संघर्ष में नागरिक
   ख) खाद्य सुरक्षा और उसका महत्व

10. क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण
    ख) परम्परागत सुरक्षा और मानव सुरक्षा के बीच अन्तर बताइए।

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम जी पी ई–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की भूमिका का वर्णन कीजिए।

2. बाजार, राज्य और नागरिक समाज के बीच बदलते संबंधों का समालोचनात्मक परीक्षण करें।

3. आतंकवाद के कारणों की पहचान कीजिए और बताइए कि विश्व शांति बनाए रखने के लिए किस प्रकार से यह खतरनाक है?

4. दक्षिण एशिया में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी पर चर्चा कीजिए।

5. वैश्विक समाज में जैंडर (लिंग) और पर्यावरण की बहस का वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव संख्या 1325 क्या है?
   ख) जैंडर (लिंग) असमानता के क्या कारण हैं?

7. क) अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति
   ख) पाकिस्तान का नागरिक समाज और महिलाओं की स्थिति

8. क) बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक का मॉडल (स्वरूप)
   ख) रियो घोषणापत्र

9. क) भारत में स्व–सहायता समूहों के मुख्य कार्य क्या है?
   ख) हरित पट्टी आंदोलन और इसके प्रभाव

10. क) प्रकृति की पोषणकर्ता के तौर पर महिलाओं की भूमिका को परिभाषित कीजिए।
    ख) वैश्विक जैंडर (लिंग) असमानता रिपोर्ट

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनैतिक शासन और संघर्ष (एम जी पी ई–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गांधी ने सम्पूर्ण शक्तिशाली राज्य की अवधारणा को क्यों खारिज कर दिया? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. मानवाधिकारों का सार्वभौम घोषणापत्र (UDHR) क्या है? मानवाधिकार शिक्षा आज क्यों महत्वपूर्ण है? वर्णन कीजिए।

3. वैश्विक शांति के लिए काम कर रहे, विभिन्न वैश्विक संगठनों की गतिविधियों का वर्णन कीजिए।

4. प्रतिरोध और विरोध की पद्धतियों का विश्लेषण कीजिए।

5. विभिन्न प्रकार की राजनीतिक व्यवस्थाओं का परीक्षण कीजिए। समझाइये कि लोग, लोकतंत्र को क्यों पसंद करते हैं?

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ग्राम्शी का राज्य और नागरिक समाज का सिद्धांत
   ख) शांति की संस्कृति

7. क) वैश्विक शांति आंदोलन
   ख) कल्याणकारी राज्य की अवधारणा

8. क) नागरिक समाज संगठनों की जवाबदेही का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   ख) डिजिटल अवसर क्या हैं? डिजिटल इंडिया पर इसके प्रभावों का परीक्षण कीजिए।

9. क) फिलिस्तीन का प्रतिरोधी आंदोलन
   ख) नव–उदार वैश्वीकरण और नागरिक समाज

10. क) अल्बानिया का साम्यवादी आंदोलन
    ख) अधिकारों पर अंग्रेजों का विधेयक (द इंग्लिश बिल ऑफ राइट) (1689)

पाठ्यक्रमः गाँधी पारिस्थितिकी और सतत् विकास (एम जी पी ई–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गहन पारिस्थितिकी से क्या तात्पर्य है? इसका अर्थ और महत्व स्पष्ट कीजिए।

2. विकास के विभिन्न दृष्टिकोणों और पर्यावरण के साथ इसके संबंधों पर चर्चा कीजिए।

3. विकास के प्रति गांधी के दृष्टिकोण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. उभरते हुए वैकल्पिक वैश्विक दृष्टिकोण की औद्योगिक कालीन वैश्विक दृष्टिकोण की तुलना कीजिए।

5. विकास की गांधीवादी अवधारणा की आध्यात्मिक नींव पर चर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) धार्मिक स्त्रोत और पर्यावरणीय मूल्य
   ख) गाँधीवादी मानवीय संकल्पना

7. क) मानव पारिस्थितिकी पर गाँधी के विचार
   ख) भारत में पर्यावरणीय आंदोलनों पर गाँधी का चिंतन

8. क) विकास का संस्थागत आयाम
   ख) स्वराज के दार्शनिक आधार

9. क) अल्प और सादा सुन्दर होता है
   ख) टॉलस्टाय फार्म

10. क) विकास के लिए आध्यात्मिक दृष्टिकोण
    ख) इच्छाहीनता और इसका अर्थ

पाठ्यक्रमः शोध पद्धतियों का परिचय(एम जी पी ई–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–023/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में एक शोधकर्ता को किन–2 कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. सर्वेक्षण अनुसंधान और मूल्यांकन अनुसंधान में क्या अंतर है? व्याख्या कीजिए।

3. विभिन्न प्रकार के उपागम हैं जिनके द्वारा हम सामाजिक समस्याओं को समझ सकते हैं। सामाजिक समस्याओं को समझने के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए।

4. साक्षात्कार डेटा संग्रह की एक विधि है। एक अच्छे शोध को आगे बढ़ाने के लिए साक्षात्कार पद्धति का उपयोग कैसे किया जा सकता है? वर्णन कीजिए।

5. एक शोध में गुणात्मक डेटा का विश्लेषण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में डेटा का स्रोत
   ख) क्षेत्र अन्वेषण (फील्ड इन्वेस्टीगेशन) अनुसंधान

7. क) गरीबी और बेरोजगारी
   ख) परिकल्पना तैयार करना

8. क) प्राथमिक और द्वितीयक डेटा
   ख) नृवंशविज्ञान (एथनोग्राफिक) साक्षात्कार

9. क) पॉल वहर की संघर्ष मानचित्रण की तकनीक
   ख) वर्णनात्मक (नैरेटिव) विश्लेषण के तरीके

10. क) कोडिंग
    ख) संदर्भ का हार्वर्ड प्रारूप

पाठ्यक्रमः मानव अधिकारः भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम जी पी ई–016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2022–23
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानवाधिकारों के विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।

2. मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा, मानव जाति के प्रगति में एक मील का पत्थर है। चर्चा कीजिए।

3. उदारवादी नारीवाद (लिबरल फेमिनिज्म) और उग्रपंथी नारीवाद (रेडिकल फेमिनिज्म) में क्या अंतर है?

4. भारत सरकार द्वारा, बाल शिक्षा के संबंध में की गई विभिन्न पहलों की चर्चा कीजिए।

5. ''एक पुर्ननिर्मित भारत एक स्वतंत्र भारत होगा''। इस विचार पर गांधीवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मानवाधिकारों का स्वतंत्रतावादी परिप्रेक्ष्य
   ख) मानवाधिकारों की हिंदू परंपरा

7. क) भारतीय संविधान में सामाजिक–आर्थिक अधिकार
   ख) महिला अधिकारों का उल्लंघन

8. क) मार्क्सवादी नारीवाद
   ख) भारत में किशोर न्याय

9. क) भारत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए राष्ट्रीय आयोग
   ख) धार्मिक अधिकारों पर गाँधी के विचार

10. क) स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा, 2007
    ख) आतंकवाद और मानवाधिकारों का उल्लंघन